(घ) परिवार कल्याण कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिये एक स्पष्ट कार्य-नीति तैयार की गई है। इस कार्य-नीति की मुख्य-मुख्य बातें इस प्रकार है :—

बहु प्रचार साधनों के सुविचारित उपयोग तथा पारस्परिक संचार की कार्यनीतियों के माध्यम से लोगों में जागरूकता पैदा करने और उन्हें जानकारी देने के जोरदार प्रयास; परिवार नियोजन अपनाने वालों को यथासम्भव उनके घरों के नजदीक सेवाओं और सामग्री की व्यवस्था; महिला साक्षरता में तेजी से वृद्धि लाने के लिये सुविधायें जुटाना; स्कूलों, कालेजों तथा इनसे बाहर के युवकों को जनसंख्या शिक्षा देना; लोगों के चुने हुए प्रतिनिधियों की मदद और समर्थन प्राप्त करना; दूसरे संबंधित मंत्रालयों और विभागों के साथ उपयुक्त सम्पर्क स्थापित करना; परिवार नियोजन अपनाने वाले व्यक्तियों और राज्य सरकारों को प्रोत्साहन देना तथा सभी स्तरों पर कार्यक्रम पर बराबर निगरानी रखना और अनुवर्ती कार्य करना।

**Sangam Express**

1766. SHRI SHANTI TYAGI: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) wheher it is a fact that the General Manager, Northern Railway had assured the Meerut Chamber of Commerce last year to attach a diesel engine to the "Sangam" Express from Meerut city with a view to increasing the capacity of this train; and

(b) if so, what steps have been taken in this regard?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHOUDHURY): (a) Sir, no assurance was given last year by General Manager Northern Railway to the Meerut Chamber of Commerce to dieselise 163/164 Sangam Express..

(b) Does not arise.

**सीने का एक्सरे**

1767. **श्री प्यारे लाल खंडेलवाल :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार सीने के अत्याधिक एक्सेरे लेने पर कोई रोक लगाने का विचार रखती है; ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में उपमंत्री (कुमारी कुमुद बेन एम० जोशी):** क्षय रोगियों का पता लगाने के लिये बड़े पैमाने पर छोटे एकसरे लेकर जांच करना राष्ट्रीय क्षयरोग कार्यक्रम का एक अनिवार्य अंग है। इस प्रक्रिया को समाप्त करने का कोई विचार नहीं है।

**चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि पर चिन्ता**

1768. **श्री प्यारेलाल खंडेलवाल :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय चिकित्सा परिषद् ने चिकित्सा महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि होने और इन महाविद्यालयों में शिक्षा स्तर में गिरावट आने के बारे में अपनी चिंता व्यक्त की है; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस संबंध में क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री बी० शंकरानन्द) :** (क) और (ख) भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद् ने शिक्षा का जो स्तर निर्धारित किया है उसके संबंध में उसने कतिपय मैडिकल कालेजों में कुछ कमियां पाई हैं। इस परिषद् ने